

## राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 28 मई, 1980

क्रमांक 85-ज(II)-80/18743.—श्री बनवारी लाल, पुत्र श्री जुग लाल, गांव बलयाना, तहसील व जिला रोहतक, की दिनांक 22 नवम्बर, 1978 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा, के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री बनवारी लाल को मुब्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 3729-र(III)-69/2259, दिनांक 9 सितम्बर, 1969 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती भराई के नाम खरीफ, 1979 से 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

रघनाथ जोशी,

विशेष कार्यालयिकारी, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग ।

## राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 11 जनवरी, 1983

क्रमांक 1894-ज(II)-82/1267.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती शान्ति देवी, विधवा श्री सुलतान सिंह, गांव कोसली, तहसील कोसली, जिला रोहतक, को खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्त प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1936-ज(II)-82/1271.—श्री टेक चन्द, पुत्र श्री श्योनाथ, गांव भोपाली, तहसील दावरी, जिला भिवानी, की दिनांक 19 सितम्बर, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री टेक चन्द को मुब्लिग 200 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 398-जे.एन.(III)-66/1776, दिनांक 2 फरवरी, 1966 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमति जड़िदां देवी के नाम रवी, 1982 से 350 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1880-ज(II)-82/1275.—श्री उदमी राम, पुत्र श्री बूला राम, गांव पाहलावास, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 18 जून, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री उदमी राम को मुब्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 3076-ज-(I)-77/2469, दिनांक 24 जनवरी, 1978 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमति मीरा देवी के नाम रवी, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1914-ज(II)-82/1279.—श्री उदे सिंह, पुत्र श्री कुड़े, गांव भोखेड़ी, तहसील व जिला रोहतक, की दिनांक 15 जनवरी, 1978 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री उदे सिंह को मुब्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 421-ज-(I)-74/20904, दिनांक 26 जून, 1974 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती पतोरी के नाम खरीफ, 1978 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।